(b) if so, the amount released towards final instalment ending June, 1994; and

(c) the amount proposed to be released during 1994-95 to Karnataka by ESI Corporation for medical care ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA) : (a) Yes, Sir.

(b) Rs. 340.35 lakhs.

(c) Rs. 1361.42 lakhs (estimated).

बेरोजगार युवकों का शोषण

*65. **श्री रामदेव भंडारी :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि दिल्ली के व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा श्रमिकों और उच्च शिक्षा प्राप्त युवकों से एक दिन में दस से बारह घंटे तक काम लेकर उनसे पूरे भुगतान की रसीदें प्राप्त करने के उपरांत केवल आधी मजदूरी का ही भुगतान करके उनको बेरोजगारी का अनुचित लाभ उठाया जा रहा है और इस प्रकार उनका शोषण किया जा रहा है ;

(ख) इस संबंध में चालू वर्ष के दौरान अब तक कितनी शिकायतें मिली हैं तथा उन पर क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) सरकार ने इस प्रकार के शोषण को रोकने के लिये क्या उपाय किये है ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा): (क) से (ग) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, दिल्ली के व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवकों से एक दिन में दस से बारह घंटे काम लेकर और उन्हें आधी मजदूरी का भुगतान करके तथा उनसे पूरे भुगतान की रसीदें प्राप्त करके शोषण किये जाने के बारे में कोई भी विशिष्ट शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। जनवरी-अक्तूबर, 1994 की अवधि के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को, सामान्यतया, अतिरिक्त कार्य घंटों, अवैध छंटनी तथा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान करने के संबंध में 9345 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत 310 नियोजकों के विरुद्ध अभियोजन मामले दायर किये गये थे और परिणामस्वरूप कर्मकारों को 52,62,159/- रु० के बराबर, धनराशि अदा की जानी थी। इसके अलावा दुकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम के अन्तर्गत जनवरी से अक्तूबर, 1994 की अवधि के दौरान प्रतिष्ठानों को खोलने और बन्द करने के लिये निर्धारित समय का पालन न करने के लिये 14,644 दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के चालान किये गये थे।

Rise in prices of foodgrains in PDS

*66 DR. BAPU KALDATE :
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state :

(a) what is the percentage of rise in the prices of foodgrains sold through Public Distribution System during 1992, 1993 and 1994 (till date) and

(b) the extent to which the sale of foodgrains came down in 1994 due to the rise in its prices and the low purchasing power of the poor beneficiaries of the PDS ?

THE MINISTER OF CIVIL SUPPLIES CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI A. K. ANTONY) : (a) The percentage increase in the CIP

of rice and wheat during the years 1992, 1993 and 1994 distributed through Public Distribution System is as follows :—

(Rate Rs. per quintal)

Effective from	Common	Increase in percentage	Fine	Increase in percentage	Super Fine	Increase in percentage
I. *RICE*						
28-12-1991 . . .	377.00	..	437.00	..	458.00	..
11-01-1993 . . .	437.00	15.9%	497.00	13.73%	518.00	10.1%
01-02-1994 . . .	537.00	22.9%	617.00	24.1%	648.00	25.1%
II. *WHEAT*						
28-12-1991 . . .	280.00	..				
11-01-1993 . . .	330.00	17.86%				
01-02-1994 . . .	402.00	21.8%				
	2. *I.T.D.P./R.P.D.S.*					
I. *RICE*						
28-12-1991 . . .	327.00	..	387.00	..	408.00	..
11-01-1993 . . .	387.00	18.3%	447.00	15.5%	468.00	14.7%
01-02-1994 . . .	487.00	25.8%	567.00	26.8%	598.00	27.7%
II. *WHEAT* :						
28-12-1991 . . .	230.00	..				
11-01-1993 . . .	280.00	21.7%				
01-02-1994 . . .	352.00	25.7%				
	COARSE GRAINS		*P.D.S.*		*ITDP/RPDS*	
01-10-90 . . .			199.00		149.00	

(b) The offtake of foodgrains from Central Pool during the period from January to October, 1994 has been less by 6.77% compared to the corresponding period of last year. The lower offtake of foodgrains, (Wheat & rice) in PDS is due to better local availability of coarse grain rice and Wheat on account of two consecutive years of good foodgrains production (1992-93 & 1993-94, July—June) apart from price and other factors.

Loss in export due to Plague

*67. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:
SHRI KRISHAN LAL SHARMA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the extent to which the country's exports suffered due to outbreak of plague in various parts of the country: